AIDS InfoNet www.aidsinfonet.org

एच.आई.वी. से संपर्क में आने के पश्चात् उपचार
(Treatment After Exposure to HIV)

Fact Sheet Number 156
फैक्टशीट संख्या 156

पोस्ट एक्सपोज़र प्रोफायलैक्सिस क्या होता है?

पोस्ट एक्सपोज़र प्रोफायलैक्सिस रोग के बचाव को कहते हैं। एच.आई.वी. के संर्पक में आने पर शीघ्र से शीघ्र एंटीरिट्रोवायरल (ए.आर.वी.) दवाई लेने को पोस्ट एक्सपोज़र प्रोफायलैक्सिस (अथवा पी.ई.पी.) कहते हैं, जिससे की एच.आई.वी. संक्रमण न हो। एच.आई.वी. के संर्पक में आने के बाद शीघ्र से शीघ्र पी.ई.पी. शुरू कर देनी चाहिए, 72 घंटे के भीतर निश्चित तौर पर कर देनी चाहिए। यदि सहन हो सके तो 2 से 3 ए.आर.वी. के साथ उपचार को चार सप्ताह तक नियमित रखना चाहिए।

पी.ई.पी. का उपयोग किसे करना चाहिए?

कार्यस्थल पर एच.आई.वी. के संर्पक में आना: एच.आई.वी. के संर्पक में आने वाले स्वास्थ्य सेवाप्रदाताओं के लिए पी.ई.पी. 1996 से एक प्रमाणिक रीति है। कर्मचारि संर्पक में आने के कुछ ही घंटो में चिकित्सा लेना शुरू कर देते हैं। संर्पक सामान्यतः सुई से होता है, जब स्वास्थ्य सेवाप्रदाता को दुर्घटनावश एच.अई.वी. रक्त से संक्रमित सुई चुभ जाती है। कार्यस्थल पर एच.आई.वी. के संर्पक में आने से होने वाले संक्रमण को पी.ई.पी. 79 प्रतिशत तक कम करता है। यद्यपि कुछ स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को पी.ई.पी. लेने के बवाजूद एच.आई.वी. संक्रमण हो जाता है।

क्या पी.ई.पी. का उपयोग एच.आई.वी. संर्पक के गैर–व्यवसायिक कारणों में भी होना चाहिए?

कार्य के दौरान एच.आई.वी. के संर्पक में आना सामान्यतः एक बार होने वाली घटना है। अन्य प्रकार के एच.आई.वी. संर्पक असुरक्षित व्यवहार के कारण होते हैं जो कई बार हो सकता हैं। कुछ लोग मानते हैं कि पी.ई.पी. इसे असुरक्षित व्यवहार को बढ़ावा दे सकते हैं यदि लोग यह सोचेंगे की पी.ई.पी. एच.आई.वी. संक्रमण से बचने का सरल उपाय है।

अन्य कारण भी हैं जिसकी वजह से पी.ई.पी. का उपयोग एच.आई.वी. से संर्पक के गैर–व्यवसायिक कारणों में ठीक नहीं है–

- ऐसा कोई शोध नहीं है जो यह दर्शाता हो की गैर–व्यवसायिक तरीकों से होने वाले एच.आई.वी. संर्पक में पी.ई.पी. कार्य करता हो। हम नहीं जानते की एच.आई.वी. के संर्पक में आने के कितने समय पश्चात् किसीको कितनी जल्दी पी.ई.पी. शुरू कर देनी चाहिए।
- पी.ई.पी. कोई ''मॉर्निंग आफ्टर पिल'' नहीं है। इसमें कई दवाएं शामिल हैं, जो की कम से कम 30 दिनों तक प्रतिदिन देनी होती हैं। पी.ई.पी. का मूल्य 1200 से 1800 रूपये आता है।
- श्रेष्ठ परिणाम के लिए आपको प्रत्येक पी.ई.पी. दवाई की प्रत्येक खुराक लेनी होती है। खुराक के चूकने का अर्थ है की आप एच.आई.वी. संक्रमण को पनपा रहे हैं। इससे विषाणु को दवा के विरूद्ध प्रतिरोध पनपाने का भी मौका मिल जाता है। यदि एसा होता है तो वो आपके लिए ज्यादा समय तक काम नहीं करेंगी।
- दवाओं के गंभीर दुष्प्रभाव होते हैं। लगभग 40 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवाप्रदाता दुष्प्रभावों होने की वजह से पी.ई.पी. पूरी नहीं लेते।

इन सब बातों के होने के बावजूद गैर–व्यवसायिक कारणों से एच.आई.वी. के संपर्क में आने वाली घटनाओं में पी.ई.पी. को लेने का बढावा मिल रहा है। अधिकांश कार्यक्रमों में जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए परामर्श को शामिल किया जाता है तथा एच.आई.वी. के संपर्क से दूर रहने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाता है।

पी.ई.पी. किस प्रकार ली जाती है?

एच.आई.वी. के संर्पक में आने के बाद शीघ्र से शीघ्र पी.ई.पी. शुरू कर देनी चाहिए। पी.ई.पी. के लिए जो दवाइयाँ दी जाती हैं वो एच.आई.वी. के संर्पक पर निर्भर करती हैं। सर्पक में आने के तुरंत बाद उस स्थान को जो कि संर्पक में आया है उसे साबुन तथा पानी से अच्छी तरह साफ कर लेना चाहिए। जिस अंगुली में सुई चुभी हो उसे मुंह में न डालें। डरे नहीं। सक्षम अधिकारी को तुरंत संर्पक करें जो आक्समिक घटना की तरह उससे निपटे। पी.ई.पी. का निर्णय इस आधार पर करें–

किस मात्रा में एच.आई.वी. के संर्पक में आए हैं

स्त्रोत में एच.आई.वी. की स्थिति

निम्न स्थितियों को गंभीर माना गया है–

- अधिक मात्रा में एच.आई.वी. संक्रमित रक्त के संर्पक में आना
- त्वचा पर लगे कट या खुले जख्मों के संपर्क में रक्त का आना
- किसी को चुभने से सुई पर लगा रक्त
- जिसके शरीर में विषाणु भार (रक्त में एच. आई.वी. की संख्या) अधिक हो उसके रक्त के संपर्क में आना

स्त्रोत की स्थिति तथा संपर्क में आने की मात्रा के आधार पर स्वास्थ्य केंद्र का चिकित्सक यह निर्णय करेगा की पी.ई.पी. शुरू करनी चाहिए की नहीं– यदि चाहिए तो आधारभूत या विस्तृत प्रणाली वाली की जरूरत है। आधारभूत प्रणाली वाली ए.आर.वी. में ए.जेड.टी. (ज़िडोविडीन) 300 मिलीग्राम प्रतिदिन दो बार 3टी सी (लैमीवुडीन) 150 मिलीग्राम प्रतिदिन दो बार। विस्तृत प्रणाली में ए.जेड.टी. 300 मिलीग्राम + 3टी सी 150 + इडिनाविर 800 मिलीग्राम टी.डी. एस.।

पी.ई.पी. लेने की अवधि है 28 दिन।

पी.ई.पी. के दुष्प्रभाव क्या है?

पी.ई.पी. के सबसे सामान्य दुष्प्रभाव जी मतलाना तथा अच्छा न महसूस करना हैं। अन्य संभावित कारणों में शामिल हैं सिर दर्द, थकान, उल्टी एवं डायरिया। अधिक जानकारी के लिए प्रत्येक एंटीरिट्रोवायरल (ए.आर.वी.) दवाई पर फैक्टशीट देखिए।

अंतिम कथन

एच.आई.वी. के संर्पक में आने के बाद एच.आई.वी. संक्रमण को रोकने के लिए शीघ्र से शीघ्र एंटीरिट्रोवायरल (ए.आर.वी.) दवाई लेने को पोस्ट एक्सपोज़र प्रोफायलैक्सिस (अथवा पी.ई.पी.) कहते हैं। एच.आई.वी. के सर्म्पक में आने वाले स्वास्थ्य सेवाप्रदाताओं में पी.ई.पी. संक्रमण को 79 प्रतिशत तक कम करता है।

गैर–व्यवसायिक तरीको से एच.आई.वी. के सर्म्पक में आने प्रकरणों में पी.ई.पी. के लाभ सिद्ध नहीं हुए हैं। पी.ई.पी. का यह उपयोग विविादित है क्योंकि कुछ लोगों को डर है की इस तरह से असुरक्षित व्यवहारों को बढ़ावा मिलेगा।

पी.ई.पी. 2.3 चार सप्ताह तक दिन में कई बार एंटीरिट्रोवायरल (ए.आर.वी.) दवाईयाँ लेने वाला चार सप्ताह तक का कार्यक्रम है। दवाईयों के गंभीर दुष्प्रभाव हैं

अधिक जानकारी के लिए

पी.ई.पी. पर सी.डी.सी. की मार्गदर्शिका इंटरनेट पर उपलब्ध है।

व्यवसायिक सर्म्पकः
http://www.cdc.gov/mmwr/preview/mmwrhtml/rr5409a1.htm

गैर–व्यवसायिक सर्म्पकः
http://www.cdc.gov/mmwr/preview/mmwrhtml/rr5402a1.htm

पुनरावलोकन अगस्त 24, 2007